

English



Congratulations! You have chosen one of the finest hybrid & Research Paddy seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-quality hybrid corn seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's hybrid & Research Paddy seeds provide excellent germination & better vigor with toemant to biotic & abiotic stresses Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

	Improved					
Paddy	Narmada					
Hybrid/Improved	Improved					
Kharif	135-140					
Please note that according to local weather conditions, crop growth & maturity may vary.						
General recommendations						
Source of irrigation	Irrigated					
Preparation of Land	After 2-3 deep ploughings in summer, level the field by using a plankar. followed by 2-3 rounds of ploughing with a cultivator and ensure that the field is properly leveled afterward					
Seed Rate	10 kilograms of seed per acre					
Seed treatment	Seed is treated with thiram (75% WS) & deltamethrin (2.5% WP)					
Nursery Preparation	For nursery preparation (400 square meters area), apply: 2 quintals of farmyard manure, 4.5 kilograms of urea, 13 kilograms of SSP (Single Super Phosphate) and 3.5 kilograms of MOP (Muriate of Potash)					
Transplanting	Transplant seedlings at 21-25 days of age, 50 plants /sqm with spacing of 20*10cm					
Distance in cm (Row to row & Plant to plant)						
Fertilizer recommendation						
Recommendation of FYM & chemical fertilizers	FYM improves the fertility gradient of the soil. Ensure the availability of chemical fertilizers at different stages of the crop.					
Do not mix zinc and DAP (Diammonium Phosphate) together during application.	Fertilizer should be used suggested ratio only. Use fertilizers based on soil test results; otherwise, follow the above recommendations. Avoid standing water in the field during urea application, and irrigate 2-3 days after fertilizer application	Fertilizers application time				
		FYM tons/ acre	Urea kg/ac	DAP kg/ac	MOP kg/ac	Zinc Sulphate (21%)
		20x10 cm	During field preparation	8-10 tons		
		At Transplanting		15	25	20
		At Tilling Stage (20-25 days after transplanting)	15			
		At Paddy Inital Stage (10-15 days after transplanting)	15			
Intercultivation	Weed management is very criticle in initial stage of the planted crop. follow proper application methods to control the weeds					
Weed Control	For effective weed control before germination (2-3 days after transplanting), apply: Butachlor 50 EC: 1000-1600 ml per acre, A nilofos 50 EC: 200 ml per acre, Prettlachlor 50 EC: 300 ml per acre. For broadleaf and grassy weed control (20-25 days after transplanting), Bispyribac Sodium 10 SC: 100 ml per acre, Or Penoxsulam 1.02% + Cyhalofop-butyl 5.1% OD: 1 liter per acre, or Propanil: 800-1000 ml per acre, (Before spraying, drain standing water from the field and irrigate again 1-2 days after spraying.)					
Criticle Irrigation satges	Sowing, flowering & grain filling are the criticle stages of irrigations so there should be proper moisture in the soil.Maintain a water depth of 2-4 cm in the field generally. Drain all water 2 weeks before harvest.					
Pest Management	Pest/Disease	Management				
	Stem Borer	Apply Flubendiamide 39.35% SC @ 0.5 ml per Litre of water. Alternatively, use Fipronil 0.3% GR at 8-10 kg/acre or Cartap Hydrochloride 0.4G at 8 kg/acre.				
	Leaf Folder	Spray Bifenthrin 10 EC @ 2 ml per litre of water.				
	Brown Planthopper	Spray Buprofezin 25 SC @2 ml of water or Pymetrozine 50 WP @ 0.5 g per liter of water.				
Disease Management	Bacterial Leaf Blight	Apply 6 g Streptocycline or 600 g Copper Hydroxide 53.8 DF per acre.				
	Blast Disease	Spray Azoxystrobin 20% + Difenoconazole 12.5% SC @ 1 ml per liter of water or Tricyclazole 75 WP @ 400 g per acre.				
	Sheath Blight	Spray a mixture of Fenoxystrobin 7.05% + Propiconazole 11.7% SC @ 400 ml per acre or Propiconazole 13.9% + Difenoconazole 13.9% EC @ 1 ml per liter.				
	False Smut	Apply a mixture of Picoxystrobin 7.05% + Propiconazole 11.7% SC @2 ml per liter of water, or Copper Hydroxide 53.8% DF at 600 g per acre.				
	Brown Leaf Spot	Spray Carbendazim 25% + Mancozeb WS @2.5 g per liter of water.				
	For more information to control & disease in field, please consult with local agriculture officers					
Harvesting & threshing	Harvest the paddy when the grains are fully mature. Store the seeds at a moisture level of 12% or lower.					
Storage	After separating the grains, should be dried again, cleaned, and stored properly to protect them from pests and rodents.					
Don't Do	Avoid late transplanting to prevent yield loss. Do not use excess seeds. Avoid uneven land preparation for better water management. Do not neglect timely weed control. Avoid irrigating during fertilizer application (especially with urea).					
Do's	Treat seeds before sowing to prevent fungal diseases, if required. Follow recommended sowing and transplanting times. Maintain proper spacing between plants and rows. Apply fertilisers based on soil testing. Manage water carefully, keeping 2-4 cm of standing water. Control weeds timely using recommended methods.					
Precations	Crop growth and yield can be affected by various factors. Therefore, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensure that only high-quality fertilizers and pesticides are used. Retain the bills for the purchase of seeds, fertilizers, and pesticides					
Note	The above information is a general advisory. For specific recommendations related to particular region, please contact your local State Agriculture Department.					
Disclaimer	Picture included in this pamphlet are only for illustrative purposes					

HINDI



बधाईयाँ! आपने क्रिस्टल के सबसे बेहतरीन वैरायटी धान बीजों में से एक को चुना है. क्रिस्टल के पास उच्च गुणवत्ता वाले बीज बनाने का बेहतरीन अनुभव है. ये बीज व्यापक अनुसंधान का परिणाम हैं, जिसका उद्देश्य विभिन्न कृषि जलवायु के लिए उपयुक्त ज्यादा उपज वाली किस्म विकसित करना है. क्रिस्टल द्वारा बीज उत्पादन के दौरान नवीनतम तकनीकों को अपनाया जाता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसानों को उच्चतम गुणवत्ता वाले बीज ही मिलें. क्रिस्टल के वैरायटी धान बीज जैविक और अजैविक तनावों के लिए उत्कृष्ट अंडुरण और बेहतर मजबूती प्रदान करते हैं. बेहतरीन उपज पाने के लिए कृषया खेती की सर्वोत्तम विधिया अपनारें. नीचे कुछ सामान्य सिफारिशें उपलब्ध करवाई गई हैं, इसलिये हम आपसे अनुरोध करते हैं कि कोई भी निर्णय लेने से पहले इन सिफारिशों को अवश्य पढ़ें.

	वैरायटी					
धान	नर्मदा					
वैरायटी	वैरायटी					
खरीफ	135-140 दिन					
कृषया ध्यान दें कि स्थानीय मौसम की स्थिति के अनुसार फसल की बढ़वार और परिपक्वता में भिन्नता हो सकती है.						
सामान्य सिफारिशें						
सिंचाई का स्रोत	सिंचित					
जमीन की तैयारी	गर्मियों में 2-3 बार गहरी जुताई करने के बाद, प्लांकर की मदद से अपने खेत को समतल करें. इसके बाद कल्टीवेटर से 2-3 बार जुताई करें और यह तराछी कर लें कि खेत अच्छी तरह से समतल हो गया है.					
बीज दर	प्रति एकड़ 10 किलोग्राम बीज					
बीज उपचार	बीज को थिरम (75% WS) और डेल्टामेथिन (2.5% WP) से उपचारित किया जाता है.					
नर्सरी की तैयारी	नर्सरी (400 वर्ग मीटर क्षेत्र) तैयार करने के लिए इन चीजों का प्रयोग करें : 2 फिटल गोबर की खाद, 4.5 किलोग्राम यूरिया, 13 किलोग्राम एक्सएसपी (सिंगल सुपर फॉस्फेट) और 3.5 किलोग्राम एमओपी (पोटाश का क्लोर).					
रोपाई	21-25 दिन की उम्र हो जाने पर पौधों को रोपें, 20*10 से.मी. की दूरी पर 50 पौधे/वर्ग मीटर लगाएं					
दूरी से.मी. में (पंक्ति से पंक्ति और पौधे से पौधे)						
उर्वरक संबंधी सिफारिश						
गोबर की खाद एवं रासायनिक उर्वरकों की सिफारिश	गोबर की खाद से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है. फसल के विभिन्न चरणों में रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करें.					
उपयोग के दौरान जिक्र और डीएपी (डायमोनियम फॉस्फेट) को एक साथ न मिलाएं.	उर्वरक का उपयोग केवल झुआए पर अनुपात में ही किया जाना चाहिए. उर्वरकों का उपयोग मिट्टी परीक्षण के परिणामों के आधार पर ही करें, या फिर उपर बताई गई सिफारिशों का पालन करें. यूरिया के उपयोग के दौरान खेत में पानी जमा न होने दें, और खेत के 2-3 दिन बाद सिंचाई करें.	गोबर की खाद टन/एकड़	उर्वरक डालने समय			
			यूरिया कि.ग्रा./एकड़	डीएपी कि.ग्रा./एकड़	एमओपी कि.ग्रा./एकड़	जिक्र सल्फेट (21%)
			8-10 tons			
			15	25	20	10
			15			
20x10 cm	खेत की ठहराई के दौरान रोपाई के समय खेई करने की अवधि 4 (सर्द से 20-25 दिन बाद) ठूरा करने का कु होर च (सर्द से 30-30 दिन बाद)					
निराई-गुड़ाई	रोपाई वाली फसलों की शुरूआती अवस्था में खरपतवार का प्रबंधन करना बहुत ही महत्वपूर्ण होता है. खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए उपयोग की उचित विधियों को अपनाएं.					
खरपतवार नियंत्रण	अंडुरण से पहले (रोपाई के 2-3 दिन बाद) खरपतवारों को अस्सवार ढंग से नियंत्रित करने के लिए इन चीजों का उपयोग करें : ब्यूटाक्लोर 50 EC: 1000-1600 मि.ली. प्रति एकड़, एनिलोफोस 50 EC: 200 मि.ली. प्रति एकड़, प्रेटिलाक्लोर 50 EC: 300 मि.ली. प्रति एकड़. चौड़ी पत्ती वाली और घास वाली खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए (रोपाई के 20-25 दिन बाद), बियास्परीबैक सोडियम 10 SC: 100 मि.ली. प्रति एकड़ या पेनोक्ससुलम 1.02% + साइहलोफॉप-ब्यूटिल 5.1% OD : 1 लीटर प्रति एकड़, या प्रोपेनिल : 800-1000 मि.ली. प्रति एकड़, (छिड़काव से पहले, खेत में जमा पानी को निकाल दें और छिड़काव के 1-2 दिन बाद फिर से सिंचाई करें.)					
सिंचाई की महत्वपूर्ण अवस्थाएं	बूवाई के समय, फूल आने पर और दाने भरते समय सिंचाई करना महत्वपूर्ण होता है, इसलिए इन अवस्थाओं पर ध्यान रखें कि मिट्टी में उचित नमी बनी रहे. आम तौर पर खेत में 2-4 से.मी. पानी की गहराई बनाए रखें. कटाई से 2 सप्ताह पहले सारा पानी निकाल दें.					
किट/प्रबंधन	किट/रोग	प्रबंधन				
	तना छेदक	फ्लुबेंडियामाइड 39.35% SC@ 0.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी के हिसाब से डालें. बैक्टेरियक रूप से, क्रिप्रोनिल 0.3% GR 8-10 कि.ग्रा./एकड़ या कार्टैप हाइड्रोक्लोराइड 0.4G 8 कि.ग्रा./एकड़ का उपयोग कर सकते हैं.				
	पत्ती मोड़क	बिफेन्थ्रिन 10 EC @2 मि.ली. प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें.				
	ब्राउन प्लांटहॉपर	बुप्रोफेजिन 25 SC @2 मि.ली. पानी या पाइमेट्रोजिन 50 WP @ 0.5 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें.				
रोग प्रबंधन	बैक्टेरियल लीफ ब्लाइट	6 ग्राम स्प्रेटोसाइक्लिन या 600 ग्राम कॉपर हाइड्रोक्साइड 53.8 डीएफ प्रति एकड़ डालें.				
	झुलसा	एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 20% + डिफेनोकोनाजोल 12.5% SC @1 मि.ली. प्रति लीटर पानी या ट्राइसाइक्लाज़ोल 75 WP @400 ग्राम प्रति एकड़ का छिड़काव करें.				
	शीथ ब्लाइट	फेनोक्सीस्ट्रोबिन 7.05% + प्रोप्रिकोनाजोल 11.7% SC @400 मि.ली. प्रति एकड़ या प्रोप्रिकोनाजोल 13.9% + डिफेनोकोनाजोल 13.9% EC @1 मि.ली. प्रति लीटर का मिश्रण छिड़कें.				
	फाल्स स्मट	पिकोक्सीस्ट्रोबिन 7.05% + प्रोप्रिकोनाजोल 11.7% SC @2 मि.ली. प्रति लीटर पानी, या कॉपर हाइड्रोक्साइड 53.8% डीएफ 600 ग्राम प्रति एकड़ का मिश्रण डालें.				
	ब्राउन लीफ स्पॉट	कार्बेन्डाज़िम 25% + मंकोजेब डब्ल्यू.एस. @2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें.				
	खेत में रोगों के निर्याण और इस बारे में अधिक जानकारी के लिए कृषया स्थानीय कृषि अधिकारियों से परामर्श करें.					
कटाई एवं थैशिंग	धान की कटाई तब करें जब दाने पूरी तरह से पक जाएं. बीजों को तभी भंडारित करें, जब उनमें नमी का स्तर 12% या उससे कम हो.					
भंडारण	अनाज को अलग करने के बाद उन्हें फिर से सुखाया जाना चाहिए, साफ किया जाना चाहिए, और कीटों और कुत्तरने वाले जीवों से बचाने के लिए उन्हें ठीक से भंडारित किया जाना चाहिए.					
वया ना करें	रोपाई में देरी ना करें, क्योंकि इससे उपज का नुकसान हो सकता है. अत्यधिक बीजों का उपयोग नहीं करें. पानी का बेहतर प्रबंधन हो, इसके लिए जमीन को तैयार करते समय उसे अच्छी तरह से समतल करें. खरपतवार नियंत्रण का काम हमेशा सही समय पर करें. उर्वरकों के उपयोग (विशेष रूप से यूरिया के साथ) के दौरान सिंचाई नली करें.					
वया करें	जल्दत होने पर फसल संबंधी बीमारियों को रोकने के लिए बूवाई से पहले बीजों का उपचार करें. बूवाई और रोपाई के लिए जिस समय की सिफारिश की गई है, उसका पालन करें. पौधों और पत्तियों के बीच उचित अंतर बनाए रखें. उर्वरकों का प्रयोग मिट्टी परीक्षण के आधार पर करें. पानी का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करें. खेत में 2-4 से.मी. पानी जमा रखें. सिफारिश किए गए तरीकों को अपनाकर सही समय पर खरपतवारों को नियंत्रित करें.					
सावधानियां	फसल की बढ़वार और उपज कई चीजों से प्रभावित हो सकती है. इसलिए इस मामले में सही सलाह के लिए अपने स्थानीय कृषि अधिकारी से संपर्क करना चाहिए. यह सुनिश्चित करें कि केवल अच्छी गुणवत्ता वाले उर्वरकों और कीटनाशकों का ही उपयोग किया जाए. बीज, उर्वरक और कीटनाशक खरीदने के बाद उनके बिलें संग्राल कर रखें.					
ध्यान दें	उपरोक्त जानकारी एक सामान्य सलाह है. किसी विशिष्ट इलाके में इस्तेमाल किए गए सिफारिशों के लिए कृषया अपने स्थानीय राज्य कृषि विभाग से संपर्क करें.					
अस्वीकरण	इस पुस्तिका में शामिल चित्र केवल उदाहरण के लिए हैं.					

MARATHI



अभिनेदन! तुम्ही क्रिस्टलचे सर्वोत्तम सुधारित वाण भाताचे संशोधन केलेले बियाणे मिळवले आहे. क्रिस्टलला उच्च-गुणवत्तेच्या सुधारित वाण भात बियाणे उत्पादनाचा चांगला अनुभव आहे. हे बियाणे विकृत संशोधना नंतर तयार करण्यात आले असून, विविध कृषी हवामानासाठी अनुकूल उच्च उत्पादन देणया सुधारित वाणया विकाससाठी तयार करण्यात आलेली आहेत. शेतकऱ्यांना उच्च दर्जाचे बियाणे मिळावे यासाठी क्रिस्टल बियाणे उत्पादना दरम्यान नवीनतम तंत्रज्ञानाचा अवलंब करते. क्रिस्टलचे सुधारित वाण भात बियाणे उत्कृष्ट उपाण आणि चांगली जेम प्रदान करतात आणि जैविक आणि अजैविक ताण सहल करतात. उत्कृष्ट उत्पादन मिळविण्यासाठी कृषया सर्वोत्तम शैती पद्धतींचा अवलंब करा. खालील सामान्य शिफारसी दिल्या आहेत, म्हणून आम्ही सुसाला कोणताही निर्णय घेण्यापूर्वी या शिफारसी वाचण्याची निक्ती करतो.

	सुधारित वाण						
भात	नर्मदा						
हयब्रिड/सुधारित	सुधारित वाण						
खरीप	135-140 दिन						
कृष्या लाक्षात ठेवा की स्थानिक हवामान परिस्थितीनुसार पिकांची वाढ आणि पीक तयार होण्याची वेळ वेगवेगळी असू शकते.							
सामान्य शिफारस							
सिंचनाचा स्रोत	सिंचन केलेले						
जमीन तयार करणे	उन्हाळ्यात 2-3 खोल नांगरी केल्यानंतर, प्लॉकर वापरून शेत समतल करा. त्यानंतर कल्टिव्हेटरने 2-3 फेऱ्या नांगरी करा आणि नंतर शेत योग्यरित्या समतल झाले आहे याची खात्री करा.						
बियाण्याचा दर	10 किलोग्राम बियाणे प्रति एकर						
बियाण्यांवरील प्रक्रिया	बियाण्यांवर थायरस (75% WS) आणि डेल्टामेथिन (2.5% WP) प्रक्रिया केली जाते.						
नर्सरी तयार करणे	नर्सरी तयार करण्यासाठी (400 चौर मीटर क्षेत्रफळ), 2 फिटल शेणखत, 4.5 किलो युरिया, 13 किलो SSP (सिंगल सुपर फॉस्फेट) आणि 3.5 किलो एमओपी (म्युरिएट ऑफ पोटेश) वापरा.						
लागवड	21-25 दिवसाची रोपे लावा, 20*10 सेमी अंतरावर 50 रोपे प्रति चौरस मीटर						
अंतर सेंटमीटरमध्ये (ओळ ते ओळ आणि रोप ते रोप)							
खत शिफारस							
शेणखत आणि रासायनिक खतांची शिफारस	शेणखता मुळे मातीची सुपीकता सुधारते. पिकाच्या विविध टप्प्यांवर रासायनिक खते उपलब्ध असावीत याची काळजी घ्यावी.						
वापरताना झिक आणि डीएपी (डायमोनियम फॉस्फेट) एकत्र मिसळू नका.	खतांचा वापर सुधयितेल्या प्रमाणातच करावा. माती परीक्षावाच्या निकालांनुसार खते वापरा. किंवा वरील शिफारसीचे पालन करा. युरिया वापरताना शेतात पाणी साचू देऊ नका आणि खत वापरल्यानंतर 2-3 दिवसांनी पाणी घा.	खत फवारणीची वेळ					
		शेणखत टन/एकर	युरिया किलो/एकर	डीएपी किलो/एकर	एमओपी किलो/एकर	झिक सल्फेट (21%)	
	20x10 cm	शेत ठहराव करताना	8-10 tons				
		लागवडीच्या वेळेस	15	25	20	10	
हून पुढेकराव (नारवडीया 20-25 दिवसांनी)		15					
	किरकराव करुडीया करार (नारवडीया 30-30 दिवसांनी)	15					
आंतरसमागत करणे	लागवडीच्या सुसुखातीच्या टप्प्यात तण व्यवस्थापन खूप महत्वाचे आहे. तण नियंत्रणासाठी योग्य पद्धतीने वापर करा.						
तणांचे नियंत्रण	उपावण होण्यापूर्वी (लागवड झाल्यानंतर 2-3 दिवसांनी) प्रमादी तण नियंत्रणासाठी: बुटाक्लोर 50 EC: 1000-1600 मिली प्रति एकर, A निलोफॉस 50 EC: 200 मिली प्रति एकर, प्रीटिलाक्लोर 50 EC: 300 मिली प्रति एकर वापरा. रुंद पानांचे आणि पक्ताळ तण नियंत्रणासाठी (लागवड झाल्यानंतर 20-25 दिवसांनी), बियास्परीबॅक सोडियम 10 SC: 100 मिली प्रति एकर, किंवा पेनोक्ससुलम 1.02% + सायहॅलोफॉप-ब्यूटिल 5.1% OD: 1 लिटर प्रति एकर किंवा प्रोपेनिल: 800-1000 मिली प्रति एकर वापरा (फवारणीपूर्वी, शेतातील साचलेले पाणी काढून टाका आणि फवारणीनंतर 1-2 दिवसांनी पुन्हा पाणी घा.)						
महावाचे सिंचन टप्पे	पेरणी, फुले येणे आणि दाणे भरणे हे सिंचनाचे महत्वाचे टप्पे आहेत त्यामुळे जमिनीत योग्य ओलावा असावा. शेतात साधारणपणे 2-4 सेमी खोलीपर्यंत पाणी ठेवा. कापणीच्या 2 आठवडे आधी सर्व पाणी काढून टाका.						
किटक/रोग	व्यवस्थापन						
	खोड पोखरणारी अळी	फ्लुबेंडियामाइड 39.35% SC @0.5 मिली प्रति लिटर पाण्यात मिसळून वापरा. पर्यायी म्हणून, फिप्रोनिल 0.3% GR 8-10 किलो/एकर किंवा कार्टाप हायड्रोक्लोराइड 0.4G 8 किलो/एकर या प्रमाणात वापरा.					
	पाने गुंडाळणारी अळी	बायफेन्थ्रिन 10 EC @2 मिली प्रति लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करा.					
	तपकिरी तुडतुडे	बुप्रोफेझिन 25 SC @2 मिली पाण्यात किंवा पायमेट्रोझिन 50 WP @0.5 ग्रॅम प्रति लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करा.					
रोग व्यवस्थापन	जिवाणूजन्य कर्पा	प्रति एकर 6 ग्रॅम स्प्रेटोसायक्लिन किंवा 600 ग्रॅम कॉपर हायड्रोक्साइड 53.8 DF वापरा.					
	करपा रोग	अॅझोक्सीस्ट्रोबिन 20% + डायफेनोकोनाझोल 12.5% SC @1 मिली प्रति लिटर पाण्यात किंवा ट्रायसायक्लाझोल 75 WP @400 ग्रॅम प्रति एकर फवारणी करा.					
	कडाकर्पा	फेनोक्सीस्ट्रोबिन 7.05% + प्रोप्रिकोनाझोल 11.7% SC @400 मिली प्रति एकर किंवा प्रोप्रिकोनाझोल 13.9% + डायफेनोकोनाझोल 13.9% EC @1 मिली प्रति लिटर या प्रमाणात फवारणी करावी.					
	आभासमय काजळी	पिकोक्सीस्ट्रोबिन 7.05% + प्रोप्रिकोनाझोल 11.7% SC @2 मिली प्रति लिटर पाण्यात मिसळून किंवा कॉपर हायड्रोक्साइड 53.8% DF 600 ग्रॅम प्रति एकर या प्रमाणात मिसळून वापरा.					
तपकिरी टिपके	कार्बेन्डाझिम 25% + मॅन्कोझेब WS @2.5 ग्रॅम प्रति लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करा.						
शेतातील रोग व त्याच्या नियंत्रणाबद्दल अधिक माहितीसाठी, कृष्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घ्या.							
कापणी आणि मळणी	धान्य पूर्णपणे परिपक्व झाल्यावर कापणी करा. बियाणे 12% किंवा त्यापेक्षा कमी आर्द्रतेच्या पातळीवर साठवा.						
साठवणे	धान्य वेगळे केल्यानंतर, कीटक आणि उंदीरांपासून त्यांचे संरक्षण करण्यासाठी ते पुन्हा वेगळेवात, स्वच्छ करून योग्यरित्या साठवावेत.						
हे करू नका	उपादनाचे नुकसान टाळण्यासाठी उशीरा लागवड टाळा. जास्त बियाणे वापरू नका. चांगल्या पाण्याच्या वायव्याव्यानासाठी जमीन अस्सम तयार करू नका. वेळच्या वेळी करावे लागणाऱ्या तण नियंत्रणाकडे दुर्लक्ष करू नका. खत देताना (विशेषतः युरियासारखे) सिंचन टाळा.						
हे करा	गरज पडल्यास बुरशीजन्य रोग टाळण्यासाठी पेरणीपूर्वी बियाण्यांवर प्रक्रिया करा. शिफारस केलेल्या पेरणी आणि लागवणीच्या वेळेचे पालन करा. रोपे आणि ओळींमध्ये योग्य अंतर ठेवा. माती परीक्षणानुसार खते घा. पाण्याचे काळजीपूर्वक व्यवस्थापन करा. 2-4 सेमी पाणी साचवून ठेवा. शिफारस केलेल्या पद्धती वापरून वेळेवर तणांचे नियंत्रण करा.						
खबरदारी	पिकांच्या वाढीवर आणि उत्पन्नावर विविध घटकांचा परिणाम होऊ शकतो. म्हणून, तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घ्यावा अशी शिफारस केली जाते. फक्त उच्च दर्जाची खते आणि कीटनाशकांचे वापरली जात आहेत याची खात्री करा. बियाणे, खत आणि कीटनाशकांच्या खरेदीने दिलेले चित्र केवळ स्पष्टीकरणासाठी आहे.						
नोंद	वरील माहिती ही एक सामान्य सल्ला आहे. विशिष्ट प्रदेशातील संबंधित विशिष्ट शिफारसीसाठी, कृष्या तुमच्या स्थानिक राज्य कृषी विभागाशी संसर्क साधा.						
अस्वीकरण	या पुस्तिकेत समाविष्ट केलेले चित्र केवळ स्पष्टीकरणासाठी आहे.						